

प्रेस रिलीज़

16 दिसंबर 2019

नई दिल्ली

छात्र प्रदर्शनों को दबाने की कोशिश कभी सफल नहीं होगी: पॉपुलर फ्रंट

पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया के उप-चेयरमैन ओ.एम.ए. सलाम ने सरकार को खबरदार किया है कि नागरिक अधिकार को बचाने के लिए जारी छात्र प्रदर्शनों को पुलिस के द्वारा दबाने की कोशिशें कभी कामयाब नहीं होंगी, क्योंकि ये छात्र देश और जनता की तमन्नाओं को पेश करने वाले हैं। उन्होंने जामिया मिलिया इस्लामिया और अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी के प्रदर्शन कर रहे छात्रों के साथ पुलिस की बर्बरता और अत्याचार की कड़ी निंदा की।

पुलिस रात के समय यूनिवर्सिटी के अधिकारियों की अनुमति के बिना जामिया कैंपस में घुस गई और लाइब्रेरी, हॉस्टल यहां तक कि मस्जिद में मौजूद छात्र-छात्राओं को निशाना बनाया। जो तस्वीरें सामने आई हैं उनसे साफ जाहिर होता है कि पुलिस ने जान-बूझकर छात्रों पर गोलियां चलाई हैं। एक वीडियो क्लिप ऐसी भी वायरल हो रही है जिसमें पुलिस को खुद एक गाड़ी में आग लगाते हुए देखा जा रहा है। परिस्थितियां इस संभावना का भी पता दे रही हैं कि पुलिस के भेस में कुछ दुश्मन तत्वों ने हिंसा भड़काने में मुख्य भूमिका निभाई है, ताकि इसका आरोप छात्रों के ऊपर डाल दिया जाए। ओ.एम.ए. सलाम ने जामिया हिंसा में पुलिस के रोल की निष्पक्ष न्यायिक जांच की मांग की है।

नागरिकता संशोधन कानून के खिलाफ अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी के गेट पर प्रदर्शन के दौरान पुलिस की कार्यवाही में विश्वविद्यालय के कई छात्र घायल हो गए हैं। पुलिस ने कैंपस के अंदर घुसकर प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर लाठी और आंसू गैस का इस्तेमाल किया। छात्र नारे लगा रहे थे और पुलिस ने बिना किसी कारण के और जान-बूझकर उन पर ऐसी कार्यवाही की।

हज़ारों छात्रों ने धर्म और विचारधारा से ऊपर उठकर हमारे लोकतांत्रिक एवं संवैधानिक अधिकारों के लिए अपनी आवाज़ बुलंद करके आज़ादी की लड़ाई में छात्रों के रोल की महान परंपरा को ताज़ा किया है। ओ.एम.ए. सलाम ने फासीवादी ताकतों और उनकी सरकार से कहा कि देर से ही सही, लेकिन उन्हें इतिहास से सबक लेना चाहिए। उन्होंने देश की विभिन्न यूनिवर्सिटियों के कैंपस और सड़कों पर प्रदर्शन कर रहे छात्रों के साथ एकजुटता व्यक्त की।

डॉ मोहम्मद शमून

डायरेक्टर, मीडिया एवं जनसंपर्क

मुख्यालय, पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया

नई दिल्ली